www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 302 || लखनऊ
गुरुवार
05 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:5
सूर्यास्तः 05:51
अधिकतमः 22°00
न्यूनतमः 11°00

पेज 03

विशेष समाचार
अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस ... >> पेज 02
अनुदेशक शिक्षकों को मिलेगा ₹17 ... >> पेज 04
म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी पर कपिल का ...

ईसी बंगाल को निशाना बना रहा: ममता

नाम मिसमैच पर दिए नोटिस वापस लिए जाएं, पहली बार किसी सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी

ममता की दलीलें

- चुनाव से पहले 2 महीने में ऐसा कुछ करने की कोशिश की जा रही है, जो 2 साल में होना था। खेतीबाड़ी के मौसम में लोगों को परेशान किया जा रहा है।
- 24 साल बाद इसे 3 महीने में पूरा करने की जल्दबाजी क्यों है। 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। ECI की प्रताड़ना के चलते BLO की जान जा रही है।
- बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। असम और नॉर्थ ईस्ट में ऐसा क्यों नहीं हो रहा।
- SIR प्रक्रिया वोटर्स को शामिल करने नहीं बल्कि हटाने के लिए हो रही है। अब तक 58 लाख लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं।
- भाजपा ने माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्ति किए, जो BLO अधिकारों को दरकिनार करते हुए नाम हटा रहे हैं। नाम मिस मैच पर दिए गए नोटिस वापस लिए जाएं।
- सर बेटी शादी के बाद ससुराल जाती है, वह पति का टाइटल इस्तेमाल कर रही है, यह भी मिसमैच है। उनके नाम भी डिलीट कर दिए गए।

चुनाव आयोग जवाब

इलेक्शन कमीशन ने कहा- राज्य सरकार से बार-बार मांग करने के बाद SIR के काम के लिए पर्याप्त ग्रुप बी अधिकारी नहीं दिए गए। इस कारण माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। सभी नोटिस में कारण होते हैं। जिनके नाम हटे उन्हें अधिकृत एजेंटों को भी लाने की अनुमति दी गई थी। हमने राज्य सरकार को कई पत्र लिखे हैं कि हमें क्लास 2 अधिकारी दें ताकि ERO को नियुक्त किया जा सके। उन्होंने उस रैंक के लगभग 80 अधिकारी दिए हैं, बाकी निचले रैंक के। इसलिए हमें माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। गलती उनकी है। माइक्रो ऑब्जर्वर सही तरीके से नियुक्त किए गए हैं। राज्य सहयोग नहीं कर रहा है, तो कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है। समय की कोई समस्या नहीं है।

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) मामले पर सुनवाई की। जहां राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी वकीलों के साथ मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है। सुनवाई के बाद CJI सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिए। ममता की याचिका पर बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से 9 फरवरी तक जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं। मुकदमों में आमतौर पर मुख्यमंत्रियों के वकील या सलाहकार ही पेश होते हैं। स्थानीय बोली के अनुवाद को AI की मदद लेने के कारण अगर ऐसा हो रहा है तो हम समाधान निकालेंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

दिल्ली में 3 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ममता ने दावा किया कि उनके पीछे बैठे लोग SIR के पीड़ित हैं।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

CJI सूर्यकांत ने कहा- सभी नोटिस वापस लेना अव्यावहारिक है। नाम की स्पेलिंग में गड़बड़ी होने पर चुनाव आयोग नोटिस जारी न करे। चुनाव आयोग अपने अधिकारियों को भी निर्देश दे कि वे संवेदनशील रहें। अगर राज्य सरकार ऐसे लोगों की टीम देती है, जो बांग्ला और स्थानीय बोलियां जानते हों, और वे जांच करके चुनाव आयोग को बताएं कि स्थानीय बोली के कारण गलती है, तो इससे मदद मिलेगी स्थानीय बोली के अनुवाद को AI की मदद लेने के कारण अगर ऐसा हो रहा है तो हम समाधान निकालेंगे। इस वजह से असली मतदाता को बाहर नहीं किया जाना चाहिए।

> ममता बनर्जी ने एसआईआर के खिलाफ विरोध का एक अलग तरीका अपनाया है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने यह किताब यात्रा के दौरान सिर्फ तीन दिनों में लिखी।

ममता के पास एलएलबी की डिग्री, आवेदन में कहा- एससी के तौर-तरीके समझती हूं

ममता बनर्जी के इलेक्शन एफिडेविट के अनुसार उन्होंने 1979 में कोलकाता यूनिवर्सिटी से MA करने के बाद, जोगेश चंद्र चौधरी कॉलेज (कोलकाता) में LLB कोर्स में एडमिशन लिया था। 1982 में उनका LLB पूरा हो गया था। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से पेश होने और बहस करने की अनुमति मांगने के लिए एक अंतरिम आवेदन भी दायर किया है। अपने आवेदन में ममता ने कहा है कि आर्टिकल 32 रिट में याचिकाकर्ता होने के नाते वह मामले से पूरी तरह वाकिफ हैं। वे कहती हैं कि पश्चिम बंगाल की CM और TMC अध्यक्ष होने के नाते वह SC के तौर-तरीकों को समझती हैं और स्थापित नियमों के अनुसार ही व्यवहार करेंगी।

एसआईआर के विरोध में ममता ने 26 कविताओं की किताब लिखी

उन्होंने कहा कि उनके नाम अब तक 163 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि वह न तो पूर्व सांसद के रूप में पेंशन लेती हैं और न ही मुख्यमंत्री के रूप में वेतन, बल्कि किताबों और अन्य रचनात्मक कार्यों से मिलने वाली रॉयल्टी से अपने निजी खर्च चलाती हैं। तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक ममता बनर्जी साहित्य और कला के क्षेत्र में काफी सक्रिय रही हैं। जिनकी कृतियां देश और विदेश में प्रदर्शित हो चुकी हैं।

लंबित आवासों के लिए एक मुश्त समाधान योजना लागू होगी

सीएम ने कहा डिफाल्टर्स के मामले निस्तारण में तेजी लाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में लंबित आवासीय और व्यावसायिक आवंटनों के त्वरित निस्तारण के लिए एक नई 'एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस-2026)' लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित देयों और विवादित मामलों के कारण न केवल योजनाओं की प्रगति प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरकार का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था लागू करना है, जिसमें समाधान तेज, पारदर्शी और सभी के लिए व्यावहारिक हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की किसी भी योजना में लंबित भुगतान या विवादित आवंटन राज्य की विकास गति धीमा करते हैं। इसलिए आवास विभाग को ऐसी समाधान-प्रधान व्यवस्था लागू करनी चाहिए, जिससे विभाग को आवश्यक राजस्व प्राप्त हो और आवंटियों को भी राहत मिले। उन्होंने कहा कि यह योजना जन-केंद्रित होनी चाहिए, जिसमें हर वास्तविक आवंटी को स्पष्ट और सरल विकल्प उपलब्ध हों। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में लागू की गई ओटीएस-2020 योजना से बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण हुआ था, लेकिन कोविड-19 के कारण कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर पाए। विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में प्रदेश के विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में मौजूद ऐसे सभी डिफॉल्ट मामलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई, बोले- पीएम को दूंगा

नई दिल्ली। आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे है कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके। लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हो रहा है।

युमनाम खेमचंद मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री

मैतेई सीएम के साथ नगा समुदाय से लोसी, कुकी से नेमचा डिप्टी सीएम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को इम्फाल स्थित लोकभवन में खेमचंद को शपथ दिलाई। खेमचंद मैतेई समुदाय से आते हैं। उनके साथ ही नगा समुदाय से आने वाले लोधी दिखो ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। वहीं, कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम बनीं। भाजपा नेता नेमचा ने दिल्ली के मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ लीं। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन CM एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था। इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। 3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी। इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

मुंबई में लिफ्ट में फटे गैस से भरे गुब्बारे

मुंबई। मुंबई की एक बिल्डिंग की लिफ्ट में बुधवार को गुब्बारे फटने से आग लग गई। लिफ्ट में दो व्यक्ति गुब्बारे लेकर घुसे थे। वहां एक महिला भी मौजूद थी। ये पूरी घटना लिफ्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस ने बताया कि आग से आदमी और महिला को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि गुब्बारे बेचने वाले के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

भाजपा प्रवक्ता की मां का एक्सीडेंट

पुणे। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां यास्मीन पूनावाला का महाराष्ट्र के पुणे में एक्सीडेंट हुआ है। घटना 3 फरवरी की शाम 6 बजे शहर के एक पेट्रोल पंप की है। घटना में यास्मीन गंभीर घायल हुई हैं। उनका निजी अस्पताल में इलाज जारी है। घटना पेट्रोल पंप पर लगे CCTV में रिकॉर्ड हुई। इसमें नजर आ रहा है कि यास्मीन पंप पर साइड में खड़ी हैं। उनकी और स्टाफ की कारों में पेट्रोल डलवाया जा रहा था। इसी दौरान सफेद रंग की कार रिवर्स होती हुई उनके करीब आती है। यास्मीन का ध्यान भी दूसरी तरफ था। उनकी नजर पास आती कार पर नहीं गई। कार ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मारी।

पुणे हिट-एंड-रन केस में सैंपल बदलने वालों को जमानत

शैलेंद्र चतुर्वेदी (उमरिया)। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पुणे हिट एंड रन केस में ब्लड सैंपल बदलने के तीन आरोपियों को जमानत दे दी है। इसके बाद से जबलपुर और उमरिया में दोनों मृतकों के परिजन परेशान से हैं। मामला 18 मई 2024 की रात पुणे के कल्याणी नगर में हुए हादसे का है। बिजनेसमैन के नशे में धुत नाबालिग बेटे ने पोर्श कार से बाइक सवार को टक्कर मार दी थी।

फडणवीस विलय की बातचीत में शामिल नहीं थे : शरद पवार

विद्या प्रतिष्ठान में अजित के बेटों से मिले एनसीपी-एसपी चीफ

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

बारामती। NCP(SP) चीफ शरद पवार ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के CM देवेंद्र फडणवीस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुटों के बीच विलय की चर्चा में शामिल नहीं थे। इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। शरद ने दावा किया कि NCP (SP) नेता जयंत पाटिल और उनके भतीजे और NCP चीफ अजित पवार विलय की बातचीत का नेतृत्व कर रहे थे। दरअसल CM फडणवीस ने पिछले दिनों कहा था कि अगर NCP मर्जर की बातचीत सच में चल रही होती, तो अजित पवार ने उनके साथ यह बात शेयर की होती। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी CM अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में प्लेन दुर्घटना में मौत हो गई थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

अजित की मौत के बाद विद्या प्रतिष्ठान में पहली बैठक

NCP (SP) प्रमुख शरद पवार की अध्यक्षता में विद्या प्रतिष्ठान में एक बैठक हुई। इसमें अजित पवार के बेटे पार्थ पवार, जय पवार, विजया पाटिल और दूसरे सदस्य शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद यह पहली बैठक थी। शरद पवार और अजित पवार के बेटों पार्थ पवार और जय पवार के बीच एक बंद कमरे में भी बैठक हुई। यह बैठक विद्या प्रतिष्ठान के परिसर में हुई। सूत्रों ने बताया कि बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली।

लोकसभा में पीएम मोदी की स्पीच टली

शाम 5 बजे भाषण से पहले विपक्षी महिला सांसदों ने पीएम की कुर्सी घेरी

स्थगित

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे के चलते बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई। शाम 5 बजे प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते स्पीकर संध्या राय ने कार्यवाही कल तक स्थगित कर दी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन टल गया। शाम 5 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तब विपक्ष की महिला सांसदों ने सत्ताधारी नेताओं की कुर्सियां घेर लीं। इनमें पीएम मोदी की कुर्सी भी थी। महिला सांसदों के हाथ में बड़े बैनर थे, जिन पर लिखा था- जो सही है, वो करो। ये सांसद मंगलवार को हंगामे के बाद 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन का विरोध कर रही थीं। हंगामे के चलते स्पीकर ने कार्यवाही स्थगित कर दी। कुछ मंत्रियों ने विपक्षी सांसदों से जाने को कहा, इसको बाद उन्होंने घेराव बंद किया। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपक्ष और बीजेपी सांसदों के बीच भी बहस हुई है। ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है।

>> (शेष पेज 04

पीयूष गोयल बोले- अमेरिका और भारत की ट्रेड डील ऐतिहासिक

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है। भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी। गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे।

> कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा- भाजपा सरकार ने देश की हालत बहुत खराब कर दी है। देखना होगा आने वाले दिनों में क्या होती है। 6062 शब्दों का भाषण इस सरकार ने तैयार करवाया है। पर कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है। मैं सदन में पांच जरूरी मुद्दे रखना चाहता हूं, जिन पर बात नहीं हुई।

आत्महत्याः उम्र 12-14-16 साल, सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे

3 बहनें 9वीं मंजिल से कूदीं

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी। उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई।

>> (शेष पेज 04 पर)

पिता ने दो शादियां कीं, शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं

तीनों बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं। पिता चेतन गुर्जर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। वह मूल रूप से दिल्ली के खजूरी के रहने वाले हैं। परिवार में 2 पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं। साथ में साली भी रहती है। चेतन ने दो शादियां की हैं।

> एसपी अतुल कुमार सिंह ने बताया- पुलिस को रात 2:18 बजे सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जिस ऊंचाई से तीनों बच्चियां कूदीं, वहां से जमीन की दूरी 80 फीट है। तीनों बच्चियां जमीन पर पड़ी मिलीं और गंभीर रूप से घायल थीं। उन्हें एंबुलेंस से लोनी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

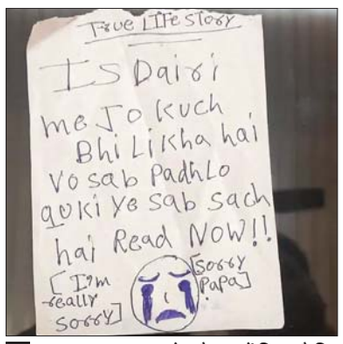

यह सुसाइड का एक पेज है। इसमें लिखा है कि इस डायरी को पढ़ लीजिए। इसमें सब कुछ सच लिखा हुआ है।

पुलिस बोली- बच्चियां 80 फीट की ऊंचाई से कूदी थीं

घरवालों ने बताया- बेटियों ने पहले कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया, फिर कूद गईं। हम लोग आवाज सुनकर दौड़े। देखा तो कमरा बंद था। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया।

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकियों के एनकाउंटर का वीडियो

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से M4 कार्बाइन, AK-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। उधर, किश्तवाड़ के ही चतरू इलाके में बुधवार शाम को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर हुआ। इसमें भी एक आतंकी को सेना ने मार गिराया।

वांगचुक की जमानत पर विचार करें : सुप्रीम कोर्ट

दलीलों के अलावा भी सोचिए, उनकी तबीयत ठीक नहीं

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से पूछा कि क्या सरकार क्लाइमेट एक्टिविस्ट और साइंटिस्ट सोनम वांगचुक की तबीयत को देखते हुए उनकी हिरासत पर फिर से विचार कर सकती है? जस्टिस अरविंद कुमार और पी बी वराले की बेंच ने कहा कि वांगचुक की हेल्थ रिपोर्ट अच्छी नहीं है। कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से इस मामले में निर्देश लेने को कहा। दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं।

> कोर्ट ने कहा- दलीलों और कानून के बिंदुओं के अलावा, कोर्ट के अधिकारी के तौर पर इस पर थोड़ा सोचिए। हिरासत का आदेश 26 सितंबर, 2025 को पारित किया गया था, लगभग पांच महीने हो गए हैं।

सम्पादकीय

विचारः आखिर कब निकाले जाएंगे घुसपैठिए?

जब बिहार विधानसभा के चुनाव हो रहे थे, तब बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उभरा था। उसके पहले झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भी घुसपैठियों को बड़ा खतरा बताया गया था। चूंकि असम और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, इसलिए एक बार फिर घुसपैठियों की चर्चा हो रही है। पिछले दिनों बंगाल गए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। इसके पहले उन्होंने असम में कहा था कि यदि इस राज्य में तीसरी बार भाजपा सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को निकालने में देर नहीं होगी। इसका अर्थ है कि असम में पिछले लगभग दस वर्षों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने का काम नहीं किया जा सका। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों? यह ठीक नहीं कि केवल चुनाव के समय घुसपैठियों की चर्चा की जाए और फिर कुछ न किया जाए। इससे तो घुसपैठिए और उन्हें घुसाने वाले सतर्क ही होते होंगे। बांग्लादेशी घुसपैठियों से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में असम है। बांग्लादेशी असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा के रास्ते से भी घुसपैठ करते हैं। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला घुसपैठिया मेघालय के रास्ते ही मुंबई आया था। बांग्लादेशी घुसपैठिए सीमावर्ती राज्यों में घुसकर इसलिए दूसरे राज्यों में जाने में सफल रहते हैं, क्योंकि वे कोई न कोई फर्जी पहचान पत्र हासिल कर लेते हैं। इसके बाद उनका काम आसान हो जाता है। पूर्वोत्तर और बंगाल में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी गुजरात, कर्नाटक और दिल्ली तक में बस गए हैं। यदा-कदा कुछ राज्य सरकारें उनकी पहचान करने का अभियान चलाती हैं, लेकिन अभी तक कोई अभियान प्रभावी नहीं सिद्ध हो सका है। आपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात में हजारों बांग्लादेशियों को पकड़ा गया था। यह स्वाभाविक ही है कि इस अभियान के समय तमाम बांग्लादेशी अन्य राज्यों में खिसक गए होंगे। जो कहानी बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, वही रोहिंग्याओं की भी है। रोहिंग्या भी पूर्वोत्तर और बंगाल के रास्ते घुसपैठ करने के बाद जिस तरह दिल्ली, हैदराबाद और जम्मू तक में अपने ठिकाने बनाने में सफल हैं, उससे यह साफ है कि उन्हें भारत में लाने और बसाने का काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है। इस काम में लिप्त लोग घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भी काम करते हैं। ऐसा काम करने वाले बंगाल में खूब सक्रिय हैं। निःसंदेह घुसपैठ रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन यह भी सही है कि यदि राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं करतीं तो घुसपैठियों की पहचान आसान नहीं। बंगाल सरकार का यह कहना तो ठीक है कि यदि घुसपैठ हो रही है तो उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र के इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए कि राज्य प्रशासन की ओर से घुसपैठियों को लेकर कभी कोई शिकायत क्यों नही की जाती? तथ्य यह है कि बंगाल के किसी भी थाने से कोई ऐसी शिकायत नहीं मिलती कि बांग्लादेश से किसी ने अवैध तरीके से प्रवेश किया है। शिकायत इसलिए भी नहीं मिलती, क्योंकि स्थानीय नेता घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में देखते हैं। एक समय ममता बनर्जी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठाती थीं, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के बाद से वे घुसपैठियों को चिह्नित करने की किसी भी पहल का विरोध करती हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर के विरोध की एक बड़ी वजह यही आशंका है कि कहीं इससे घुसपैठियों की पहचान न हो जाए। बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया शुरू होते ही सैकड़ों बांग्लादेशी अपने देश लौटने लगे थे। कुछ समय बाद उनके लौटने का सिलसिला थम गया। कोई भी समझ सकता है कि यह इसीलिए थमा, क्योंकि उन्हें यह भरोसा हो गया होगा कि इस कवायद से उनकी पहचान नहीं होने वाली। हैरानी नहीं कि उनके संरक्षक नेताओं ने ही उन्हें यह भरोसा दिलाया हो कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं। जो भी हो, इससे इन्कार नहीं कि भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। असम और बंगाल में तो उनकी इतनी संख्या हो गई है कि उन्होंने न केवल आबादी के संतुलन को बुरी तरह बिगाड़ दिया है, बल्कि वे कई क्षेत्रों में चुनाव परिणाम प्रभावित करने की स्थिति में आ गए हैं, क्योंकि वे छल-कपट से मतदाता बन गए हैं। घुसपैठिए केवल देश के संसाधनों पर बोझ ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा भी हैं। अब यह खतरा और अधिक गंभीर हो सकता है, क्योंकि बांग्लादेश के साथ संबंध अब पहले जैसे नहीं रहे और इसका भरोसा नहीं कि वहां की नई सरकार की भारत से संबंध सुधारने में दिलचस्पी होगी। इन दिनों पाकिस्तान बांग्लादेश को अपना हितैषी दिखाने के लिए न केवल हरसंभव जतन कर रहा है, बल्कि उसे भारत के खिलाफ उकसा भी रहा है। इन स्थितियों में अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की पहचान कर उन्हें निकालने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया ही जाना चाहिए। जब नागरिकता कानून में संशोधन किया गया था, तब यह कहा गया था कि उसे लागू करने के बाद राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर अर्थात एनआरसी का काम शुरू किया जाएगा, लेकिन फिलहाल ऐसे किसी अभियान की कोई चर्चा नहीं। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों?

अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस बंधुत्व भाव से होगी जग में शांति, समृद्धि एवं खुशहाली

बताते चलें कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने 22 अगस्त 2023 को राजस्थान के करौली और धौलपुर जिलों में बाघ अभयारण्य बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। जिसके बाद धौलपुर - करौली बाघ अभयारण्य बाघों को समर्पित देश का 54वां अभयारण्य बन गया है।

हम सब मिलकर एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जो सभी के लिए समान अधिकारों और करुणा पर आधारित हो और एक मानव परिवार के रूप में शांति से रह सकें।ह्न संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस यह कथन भारतीय मनीषा के बोधवाक्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अद्यतन व्याख्या ही है जिसमें एक शांत, सुखी, स्वस्थ, समृद्ध और तमाम भेद-भावों से मुक्त सुंदर दुनिया रचने की मार्मिक अपील समाहित है। सुंदर एवं समझ-बूझ भरी दुनिया बनाने का सपना केवल पारस्परिक बंधुत्व भाव से ही सम्भव है।समतामूलक ममतायुक्त दुनिया कि निर्मिति प्रेम-स्नेह, सहयोग एवं भाईचारे की सामूहिक सामाजिक चेतना से ही सम्भव है। इसी भावना से प्रेरित होकर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसंबर, 2020 को एक प्रस्ताव पारित कर 4 फरवरी को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस के रूप में मनाने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों, नागरिक संगठनों एवं आध्यात्मिक संस्थाओं को आमंत्रित किया, जिसका स्वागत विभिन्न देशों सहित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक-आध्यात्मिक संस्थाओं द्वारा किया गया और 4 फरवरी, 2021 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस मना कर मानवता के पक्ष में दुनिया में कहीं भी किसी भी मनुष्य के प्रति रंग, नस्ल, भाषा, क्षेत्र, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न करने, मानवोचित गरिमामय व्यवहार करने तथा सहिष्णु समाज बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त किया। यह संसार अत्यंत विशाल है। यहां विभिन्न संस्कृतियों को मानने-जीने वाला समुदाय युगों-युगों से निवास कर रहा है। इनमें परस्पर खान-पान एवं पहनावा, बोल-चाल एवं व्यवहार तथा आस्था, विश्वास एवं मान्यताओं में अंतर देखने को मिलता है। एक समुदाय के लिए उनके रीति-रिवाज एवं परम्परा अनुसार जो उचित, नैतिक एवं अनुकूल है, सम्भव है वह पद्धति दूसरे समुदाय के विश्वासों की धुरी पर अनैतिक, अनुचित एवं प्रतिकूल हो। ऐसी स्थिति में टकराव स्वाभाविक है, पर बेहतर समझ होने पर टकराव एवं द्वंद्व से बचते हुए और अपनी परम्पराओं का पालन करते हुए साथ-साथ न केवल रहा था सकता है बल्कि विकास के सामूहिक अवसर भी खोजे-बनाये जा सकते हैं। समुदायों की आस्था एवं विश्वास टकराव का हेतु न बनकर सामंजस्य एवं सौहार्द का सेतु बनें, यह बंधुत्व भाव के विकसित होने पर ही सम्भाव्य है। और इसके लिए आवश्यक है विवेकपूर्ण चिंतन-मनन और दूरदृष्टि, जो मानवता के फलक पर समभाव एवं सद्भाव के लिए सुंदर सुनहरे चित्र उकेर सके। सतत विकास और बौद्धिक प्रखरता के लिए मतभेद जरूरी हैं, किंतु हमारी असहमति किसी दूसरे पक्ष के जान-माल की हानि से संतुष्ट हो, यह बिलकुल निरर्थक एवं अव्यावहारिक है। असहमतियों से हमारे वैचारिक पृष्ठों पर उज्ज्वलता का आलोक बिखरना चाहिए, न कि अनिष्ट एवं अनय सोच के कलुष धब्बे। एक व्यक्ति एवं परिवार के रूप में प्रत्येक समुदाय एवं हममें से सभी सुखी, शांतिमय एवं समृद्ध होना चाहते हैं और यह तभी साकार हो सकेगा जब हम एक-दूसरे को सुखी-समुन्नत एवं प्रसन्न देखना चाहें। यह सहयोग, समन्वय, सहकार के सम्बल से किया जा सकता है, यही संस्कृति है। किंतु टकराव के रास्ते चलकर परस्पर लड़ते-झगड़ते और दूसरे को दुखी करके हम कभी अपना हित नहीं साधक सकते, यही विकृति है, अमानवीयता है। निर्णय हमें करना होगा कि हम किस पक्ष में खड़े होना चाहते हैं। निर्विवाद कहा जा सकता है, सभी मानवता के उद्यान में शीतल मलय बयार एवं सुगंधित सुमनों के सुरभित परिवेश में विचरण करना चाहते हैं। अंतर-राष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस यही भाव विकसित करने के लिए लोक जागरण करते हुए विभिन्न समुदायों एवं जन-जन को शांतिपूर्वक एक साथ रहने, एक-दूसरे के अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करने एवं मानवीय व्यवहार करने के लिए प्रेरित कर रहा है। बंधुत्व भावना केवल अन्यान्य समुदायों के साथ ही नहीं अपितु प्रथमतः अपने परिवारी जन, पड़ोसी, सहकर्मियों एवं अपरिचितों के प्रति हमारे व्यवहार को प्रभावित करता है। यह हमें सर्व समावेशी, सख्य, सहिष्णु एवं लचीला बनाता है, जिससे सांस्कृतिक विविधता की सहज स्वीकृति एवं अभिव्यक्ति का अनुकूल अवसर एवं जगह बनती है। यदि हम वैश्विक परिदृश्य देखें तो सर्वत्र हिंसा, अराजकता, आगजनी, युद्ध दृश्य दिखाई पड़ते हैं जो मानवता के लिए अभिशाप हैं। मुझे यूनेस्को का एक कथन स्मरण हो रहा है, ह्नचूंकि युद्ध मनुष्य के मन में उत्पन्न होते हैं, इसलिए शांति की रक्षा भी मनुष्य के मन में ही निर्मित होनी चाहिए।ह्न निश्चित रूप से युद्ध और शांति मानव मन रूपी सिक्के के दो पहलू हैं। विश्व के समस्त प्राणियों में मानव ही सर्वाधिक बुद्धिमान है। पर जब वह विवेकहीन हो स्वार्थ केंद्रित हो जाती है तो अनीति की पक्षधर बन मानवता के सुकोमल सुमनों को कुचलने लगती है। और तब यह दम्भ, अहंकार, हिंसा, बलात कब्जा, स्व श्रेष्ठताबोध और संसाधनों पर अपने एकाधिकार करने का प्रदर्शन बन जाती है। अनेकानेक उदाहरण जागतिक फलक पर वर्तमान हैं। इनसे मुक्ति का मार्ग भारतीय दर्शन के सूत्र 'सम्पूर्ण धरती एक परिवार' पर आधारित मानवीय बंधुत्व भाव से हि निकलेगा। अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस के आयोजन थीम आधारित होते हैं ताकि सम्बंधित विषय पर साझी समझ बनाई जा सके। वर्ष 2026 कि थीम 'विभाजन की जगह संवाद' वास्तव में मौन से मुखर होने की पैरवी करती है। किंतु यह मुखरता वाचालता एवं धर्मांधता के लिए नहीं है अपितु सामाजिक सहिष्णुता की वृद्धि, सद्भाव के प्रसार एवं सतत संवाद के रास्ते खोलेगी। संवाद से ही अहंकार की परिधि पर खड़ी दीवार दरकती है और विचारों की ताजी हवा के लिए एक खिड़की खुलती है। दीवार पर खुली एक खिड़की आत्मीयता, मधुरता एवं करुणा के कोमल झोंकों के आवागमन का रास्ता देती है और फिर ऐसी ही तमाम खिड़कियां दीवारों पर खुलने लगती हैं। विभाजन की जगह संवाद थीम अंतर्गत वैश्विक आयोजन कर स्वस्थ सुंदर सुभाषित दुनिया रचने-गुनने की ओर हम सभी बढ़ेंगे, ऐसा विश्वास है।

■ प्रमोद दीक्षित मलय

जन सुराज का...

ललित गर्ग

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

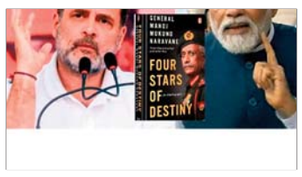

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया। यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो। संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमण-कारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनियाद एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी।

इस बजट के ...

राजकुमार सिंह भाटी

विकसित भारत 2047 का रोडमैप है युवा बजट 2026-27, विकास को मिलेगी रफ्तार

भारत सरकार का केंद्रीय बजट 2026-27 जनाकांक्षाओं को निरंतर पूरा करने वाला युवा बजट है, जिससे अनवरत समावेशी विकास, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और राजकोषीय अनुशासन का स्पष्ट संदेश मिलता है। यह युवा बजट है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत काल में विकसित भारत 2047 जैसे सुनहरे सपने को पूरा करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने का संदेश देता है। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पहली बार अवकाश के दिन यानी रविवार 1 फरवरी को इसे संसद की पटल पर प्रस्तुत करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया, जो उनके द्वारा नौवीं बार प्रस्तुत किया हुआ है। वाकई यह बजट ऐतिहासिक, समावेशी और विकासोन्मुखी बजट है, जिससे 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं पूरी होंगी। इससे देश में विगत 3 दशकों से जारी आर्थिक सुधारों को मजबूती मिलती है और विकसित भारत के सपने पूरे होंगे, ऐसा दृढ़विश्वास भी मजबूत होता है। कई मायनों में यह बजट विकास का रोडमैप है, जिसमें नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब दिखाई देता है। इसमें युवाओं और पेशेवरों के लिए अपार अवसर निहित है। इसमें महिलाओं और उद्यमियों के लिए नया आयाम निहित है तो हर घर लक्ष्मी का आगमन सुनिश्चित करने वाला महसूस होता है। इस बजट में जिस बहुमुखी विकास पर फोकस किया गया है उससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, रोजगार सृजन ज्यादा होगा और हर हाल में समावेशी विकास संभव हो सकेगा। कुलमिलाकर यह बजट देश को 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाएगा। साथ ही देश को दुनिया में अग्रणी बनाएगा। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और फिर पहली-दूसरी बनने के लिए स्वस्थ संघर्ष करेगा। सच कहूं तो यह बजट विकसित भारत के संकल्प में मील का पत्थर साबित होगा। ऐसा इसलिए कि इसमें हर वर्ग के लिए कल्याणकारी पहल की गई, जो विकसित भारत का रोडमैप करार दिया जा सकता है। इस बजट के विभिन्न प्रस्तावों से सामाजिक-आर्थिक विकास का स्वर्णिम अध्याय पूरा होगा। यह बजट एनडीए की एकजुटता को दिखाता है। बजट प्रस्तावों से साफ है कि विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत मजबूती पूर्वक निरंतर आगे बढ़ रहा है, जो भारतवासियों के लिए खुशी की बात है। सच कहा जाए तो भारत का केंद्रीय बजट 2026-27 पिछले 75 सालों के बजटों से आकार, प्राथमिकताओं और प्रस्तुति शैली में भिन्न है। यह विकास, रोजगार सृजन और समावेशी विकास पर केंद्रित है। जहां तक प्रमुख वित्तीय अंतर की बात है तो कुल व्यय 53.5 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जो सरकारी पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये करने के साथ आर्थिक विकास को गति देता है। जहां तक राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.3% पर लक्षित है, जो 2025-26 के 4.4% से कम है, तथा जीडीपी में ऋण अनुपात 55.6% तक घटाया गया। वहीं, कर सुधार की दृष्टि से आयकर दरों में कोई बदलाव नहीं आया; जबकि नया आयकर अधिनियम 2026 अप्रैल से लागू होगा। वहीं, एफ एंड ओ (F&O) पर एसटीटी (STT) बढ़ाकर 0.05-0.15% किया गया, और विदेशी पर्यटन/शिक्षा हेतु टीसीएस (TCS) 2% किया गया।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

प्रदीप कुमार वर्मा

सुखद : चंबल के बीहड़ में बढ़ा बाघों का कुनबा

पूर्वी राजस्थान के धौलपुर और करौली जिलों में डकैतों की शरणस्थली के रूप में देश और दुनिया में चर्चित चंबल के बीहड़ में अब बाघ के नन्हे ह्नशावकह्न की किलकारी गूंज रही है। चंबल के बीहड़ में स्थित धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व में एक बाघिन ने एक नन्हे शावक को जन्म दिया है। इसके बाद धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़कर अब दस हो गई है। देश एवं प्रदेश के वन एवं पर्यावरण प्रेमियों के लिए एक सुखद खबर है। धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में बाघिन टी-117 ने एक शावक को जन्म दिया है। राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस तस्वीर को साझा किया है। धौलपुर करौली-टाइगर रिजर्व में टाइगर का कुनबा बढ़ने के बाद अब पर्यटकों को इस रिजर्व क्षेत्र में अधिक टाइगर देखने को मिलेंगे। वहीं, यह रिज़र्व क्षेत्र में बाघों के सफल संरक्षण और अनुकूल आवास का सकारात्मक संकेत भी है। बीते दिनों बाघिन टी-117 व उसके एक शावक धौलपुर- करौली टाइगर रिज़र्व के जंगलों में देखे गए हैं। मकर संक्रांति के दिन रिज़र्व क्षेत्र की बाघिन टी-117 ने एक शावक को जन्म दिया है। विभाग के कैमरे में बाघिन टी-117 अपने नवजात शावक के साथ जंगल में विचरण करती हुई देखी गई है। जंगल मे बाघिन बादली टी-117 के साथ शावक देखे जाने के बाद मूवमेंट स्थल पर कड़ी निगरानी बढाकर वनकर्मियों की टीम तैनात कर दी गई हैं। डीएफओ डॉ. आशीष व्यास ने बताया कि वर्ष 2023 में धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड क्षेत्र के झिरी फारेस्ट ऐरिया में बीते दिनों बाघिन टी 117 के द्वारा तीन शावकों को जन्म दिया था। इससे दो वर्ष पहले वर्ष 2021 में बाघिन टी-117 दो शावकों को जन्म दिया था। इस प्रकार यह बाघिन धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में बाघों के कुनबे को बढ़ा चुकी है जिससे आने वाले समय में टाइगर रिजर्व में पर्यटन को पंख लगेंगे। वर्तमान में इसके दो शावक, जिनकी पहचान डीकेटी-2501 एवं डीकेटी-2502 के रूप में की गई है। इस नए शावक के आने के साथ ही धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व क्षेत्र में टाइगरों की कुल संख्या बढ़कर दस हो गई है जिनमें तीन शावक शामिल हैं। डॉ. आशीष व्यास ने बताया बाघ रिज़र्व क्षेत्र में सुरक्षित रूप से विचरण कर रहे हैं। यह उपलब्धि धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में अनुकूल प्राकृतिक आवास, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, सतत निगरानी, कैमरा ट्रैप मॉनिटरिंग तथा फील्ड स्टाफ के समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है। बाघों की निरंतर प्रजनन सफलता यह दर्शाती है कि रिज़र्व क्षेत्र वन्यजीव संरक्षण के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल बनता जा रहा है। वन विभाग द्वारा बाघिन एवं उसके शावकों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा क्षेत्र में सुरक्षा एवं संरक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है। इससे वन्यजीवों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा । धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में बाघों के कुनबे में हो रही यह वृद्धि न केवल राजस्थान बल्कि सम्पूर्ण देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। राजस्थान के सवाई माधोपुर में बने रणथंभौर अभयारण्य में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी होने के बाद में राजस्थान के ही धौलपुर जिले के सरमथुरा और करौली को जोड़कर नया टाइगर रिजर्व बना है। धौलपुर-करोली के रूप में नए टाइगर रिजर्व के बनने से बाघों की मूवमेंट के लिए धौलपुर सरमथुरा-करौली क्षेत्र में नया टाइगर रिजर्व का एरिया मिल गया है। धौलपुर सरमथुरा-करौली टाइगर रिजर्व का कुल एरिया 1058 वर्ग किमी है। इसमें 368 वर्ग किलोमीटर का कोर एरिया और 690 वर्ग किलोमीटर का बफर जोन है। धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ने के बाद आने वाले दिनों में यहां पर्यटन संख्या बढ़ाने की पूरी उम्मीद है। धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व धौलपुर और करौली के वन क्षेत्रों को कवर करता है, जिसमें पूर्व में डांग क्षेत्र, धौलपुर वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी और करौली वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी शामिल हैं। यह बाघों की आबादी बढ़ाने और सुरक्षित कॉरिडोर प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र भी है जो सीधे रणथंभौर से जुड़ा है। यह क्षेत्र अपने चट्टानी परिदृश्य, डांग क्षेत्र की पहाड़ियों और घने जंगलों के लिए जाना जाता है जिससे बाघों को उनकी पसंद का आवासीय एवं मूवमेंट का क्षेत्र मिल रहा है। इस क्षेत्र के पास चंबल नदी के किनारे डांग क्षेत्र और घड़ियाल अभयारण्य भी हैं, जहां सर्दियों में देशी एवं विदेशी पक्षियों की मौजूदगी पर्यटकों को सुखद अहसास कराती है और जो इसे जैव विविधता से समृद्ध भी बनाते हैं। यही बजह है कि धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व राजस्थान के साथ-साथ देश और दुनिया के लिए एक नया टूरिज्म डेस्टिनेशन बन रहा है। बताते चलें कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने 22 अगस्त 2023 को राजस्थान के करौली और धौलपुर जिलों में बाघ अभयारण्य बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। जिसके बाद धौलपुर - करौली बाघ अभयारण्य बाघों को समर्पित देश का 54वां अभयारण्य बन गया है। राजस्थान में रणथम्भौर, सरिस्का, मुकुंद्रा हिल्स और रामगढ़ विषधारी के बाद यह पांचवा बाघ अभयारण्य है। प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 1973 में की गई थी। देश के प्रसिद्ध जीव विज्ञानी कैलाश सांखला को इस कार्यक्रम का पहला निदेशक नियुक्त किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत बाघ आबादी वाले राज्यों को बाघों के संरक्षण हेतु केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत के समय देश में मात्र 9 टाइगर रिज़र्व थे, वर्तमान में देश में कुल टाइगर रिज़र्वों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है।

क्रिकेट के 73 नियम बदले, 1 अक्टूबर से लागू होंगे

टेस्ट में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरा तो नया बैटर आएगा, लेमिनेटेड बैट को मंजूरी

मेलबर्न, एजेंसी

क्रिकेट के 73 नियम बदल दिए हैं। इनमें टेस्ट मैच में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर पूरा ओवर खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। डेड बॉल, ओवरथ्रो, बाउंड्री पर लिए जाने वाले कैच, विकेटकीपर की पोजीशन जैसे कई नियम बदले गए हैं। लेमिनेटेड बैट को सशर्त मंजूरी दी गई है। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। 2022 के बाद नियमों में यह सबसे बड़ा अपडेट है। अब 'डेड बॉल' के लिए यह जरूरी नहीं है कि गेंद गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में ही हो। अगर गेंद किसी भी फील्डर के पास आ गई हो या मैदान पर रुक गई हो और अंपायर को लगे कि अब बल्लेबाज रन नहीं ले सकता, तो वह गेंद को डेड बॉल घोषित कर सकता है। लेमिनेटेड बैट या टाइप-डी बैट वह क्रिकेट बैट होता है, जिसे लकड़ी के दो या तीन टुकड़ों को आपस में जोड़कर तैयार

किया जाता है। ये बल्ले पारंपरिक सिंगल-पीस बल्लों की तुलना में सस्ते होते हैं। MCC ने इन्हें ओपन एज क्लब क्रिकेट में इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। वहीं, ओपन एज क्रिकेट उस फॉर्मेट को कहा जाता है जिसमें खिलाड़ियों की उम्र की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती और इस स्तर पर सभी उम्र के खिलाड़ी एकसाथ खेल सकते हैं। हिट

टेस्ट मैच में दिन का आखिरी ओवर का नियम बदला

क्रिकेट नियम बनाने वाले मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (MCC) ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि टेस्ट मैचों में दिन का आखिरी ओवर अब हर हाल में पूरा कराया जाएगा। ऐसा न होने से 'खेल का रोमांच कम हो जाता है।' MCC ने कहा, 'यह अनुचित माना गया कि अगर दिन के अंतिम ओवर में गेंदबाजी कर रही टीम विकेट लेती है, तो बल्लेबाजी टीम को नया बल्लेबाज भेजने की जरूरत नहीं पड़ती।'

विकेट में कन्फ्यूजन को दूर किया गया है। अब यह समझने में कोई दिक्कत नहीं रहेगी कि बल्लेबाज कब हिट विकेट आउट माना जाएगा और कब नहीं। MCC ने मौजूदा और पूर्व महिला खिलाड़ियों से सलाह लेकर जूनियर और महिला क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंदों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब गेंदों को तीन साइज में बांटा गया है। MCC एक प्राइवेट क्रिकेट क्लब है जिसकी स्थापना 1787 में लंदन, इंग्लैंड में हुई थी। इसे दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और

ओवरथ्रो और 'डेड बॉल' की नई परिभाषा

MCC ने ओवरथ्रो और मिसफील्ड के बीच के अंतर को स्पष्ट कर दिया है। अब ओवरथ्रो सिर्फ तभी माना जाएगा, जब कोई फील्डर विकेट पर गेंद फेंकता है और वह गेंद आगे निकल जाती है। अगर फील्डर बाउंड्री के पास गेंद रोकने की कोशिश करता है और गेंद हाथ से फिसलकर निकल जाती है, तो उसे ओवरथ्रो नहीं, बल्कि मिसफील्ड कहा जाएगा।

पुराने क्रिकेट क्लबों में से एक माना जाता है। MCC ने 1788 में क्रिकेट के पहले आधिकारिक नियम तैयार किए थे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) बनने के बाद भी MCC के पास क्रिकेट नियमों का कॉपीराइट है। यही क्रिकेट के नियम बनाती है।

एमसीसी ने साफ किया है कि अगर बल्लेबाज गेंद खेलने के बाद संतुलन बनाने की कोशिश में लड़खड़ाकर स्टंप्स पर गिर जाता है, तो उसे हिट विकेट आउट माना जाएगा, चाहे गेंद उस समय काफी दूर जा चुकी हो।

दिल्ली कैपिटल्स लगातार चौथी बार डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंची

गुजरात को 7 विकेट से हराया, रोड्रिग्ज ने 41 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स ने विमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने मंगलवार को खेले गए एलिमिनेटर मैच में गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से हरा दिया। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में दिल्ली ने 169 रन का टारगेट 15.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर दिया। लौरा वोलवार्ट ने नाबाद 32 रन बनाए। जबकि कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज ने 41 रन की पारी खेली। ओपनर लिजेल ली (43 रन) और शेफाली वर्मा (31 रन) फिफ्टी पार्टनरशिप करके रन चेज को मजबूत शुरुआत दिलाई। टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 168 रन बनाए थे। बेथ मूनी (51 बॉल पर 62 रन) ने फिफ्टी लगाई। जॉर्जिया वेयरहम 35 रन बनाकर आउट हुईं। दिल्ली से शिनेल हेनरी ने 3 विकेट झटके। नंदनी शर्मा को 2 विकेट मिले। दिल्ली का फाइनल मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ 5 फरवरी को वडोदरा में ही खेला जाएगा। बेंगलुरु ने लीग राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल के टॉप पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। 9वें ओवर में दिल्ली ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लौरा वोलवार्ट और जेमिमा रोड्रिग्ज की जोड़ी ने काशवी गौतम के ओवर से 11 रन लिए और टीम को 100 पार पहुंचाया। जॉर्जिया वेयरहम ने 8वें ओवर में लिजेल ली (43 रन) और शेफाली वर्मा (31 रन) को पवेलियन भेजा। उन्होंने फिफ्टी पार्टनरशिप भी ब्रेक की। इसी के साथ दिल्ली की ओपनर्स पवेलियन लौट गईं।

फास्ट न्यूज

जिनपिंग ने अपने 23 भरोसेमंद जनरल हटाए

बीजिंग। चीन की सेना में बीते तीन सालों में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। 2023 की शुरुआत में चीन के पास कम से कम 30 जनरल और एडमिरल थे, जो अलग-अलग खास विभागों और थिएटर कमांड की कमान संभाल रहे थे। इनमें से लगभग सभी को या तो बाहर कर दिया गया है या वे अचानक गायब हो गए हैं।

धुरंधर 2 के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज

नई दिल्ली। धुरंधर 2 के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ मुंबई में पुलिस शिकायत दर्ज हुई है। आरोप हैं कि फिल्म की शूटिंग ड्रोन के जिरए बिना इजाजत साउथ मुंबई के हाई सिक्योरिटी एरिया में की जा रही थी। फिल्म के लोकेशन मैनेजर रिंकू राजपाल वाल्मिकी के खिलाफ 1 फरवरी को मुंबई के MRA मार्ग पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 233 (कानूनी आदेशों की जानबूझकर अवहेलना) के तहत शिकायत दर्ज हुई है। आरोप हैं कि फिल्म के एक हिस्से की शूटिंग साउथ मुंबई के हाई सिक्योरिटी फोर्ट एरिया में हो रही थी। शूटिंग के समय ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था, जो उस एरिया में प्रतिबंधित है। ड्रोन के इस्तेमाल के लिए टीम की तरफ से एथॉरिटी से किसी तरह की इजाजत भी नहीं ली गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, फिल्म धुरंधर 2 की शूटिंग जनवरी के आखिर से उस लोकेशन में चल रही थी।

अमेरिका ने अरब सागर में ईरानी ड्रोन को मार गिराया

दुबई। अमेरिका ने मंगलवार को अरब सागर में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान का शाहेद-139 ड्रोन अमेरिकी नौसेना के 'USS अब्राहम लिंकन' एयरक्राफ्ट कैरियर (वॉरशिप) के पास पहुंच गया था। USS अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है।

उपासना सिंह का सीनियर एक्टर से जमकर हुआ झगड़ा

एक्ट्रेस बोलीं- साथी कलाकार को पीटा, बदतमीजी की

मुंबई, एजेंसी

कपिल शर्मा शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस उपासना सिंह ने किस देश में है मेरा दिल और कसौटी जिंदगी की जैसे शोज में नजर आ चुके सीनियर एक्टर दीपक काजिर पर बदतमीजी और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। ये मामला एक इवेंट से जुड़ा है, जहां एक्टर दीपक काजिर और एक्ट्रेस उपासना की जमकर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई की इवेंट में एक्टर्स के बीच तेज झड़प हो गई। हाल ही में इस झगड़े का एक वीडियो सामने आया है। ये विवाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के एक इवेंट के दौरान हुआ। एक्ट्रेस उपासना सिंह माइक पर भाषण दे रही थीं। उनके साथ सीनियर एक्ट्रेस पूनम ढिल्लन भी मौजूद थीं। वो बात कर ही रही थीं कि तभी सीनियर एक्टर दीपक काजिर ने तेज आवाज में चिल्लाते हुए कहा- मैडम, मैडम एक मिनट। इस पर एक्ट्रेस ने गुस्से में कहा- मैं अभी बोल रही हूं। इस पर एक्टर ने

गुस्से में कहा- नहीं आप नहीं बोलेंगी। इसके बाद दीपक काजिर ने वहां मौजूद शख्स को उंगली दिखाते हुए कहा- अभी-अभी दीपक जी ने बहुत गलत बात की है। इसके ठीक बाद दोनों में तीखी बहस हो गई। जब दीपक काजिर ने साथ खड़े शख्स से माइक लिया, तो वहां मौजूद दूसरे शख्स ने उनके हाथ से माइक छीन लिया। इस झड़प के बाद वहां मौजूद लोग दीपक काजिर को शांत करवाते नजर आए। आगे एक्ट्रेस ने कैमरे की तरफ देखते हुए सीनियर एक्टर पर आरोप लगाते हुए कहा, इन्होंने अभी विकास वर्मा को मारा, थप्पड़ और घूसों से।

किसी का गाना यूज कर लो लाखों का बिल आ जाता था, कनाडा कैफे फायरिंग पर भी ली फिरकी

म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी पर कपिल का पहला रिएक्शन

मुंबई, एजेंसी

कपिल शर्मा का शो द कपिल शर्मा शो बीते कुछ समय से म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी से विवादों में था। लंबे समय बाद अब कपिल शर्मा ने इस पर रिएक्शन दिया है। उनका कहना है कि लाखों के बिल से बचने के लिए अब से वो अपने गाने खुद बनाएंगे। कपिल शर्मा की टीम हाल ही में नेटफ्लिक्स के इवेंट व्हॉट नेक्स्ट में पहुंची थीं। नेटफ्लिक्स ने इवेंट में अपकमिंग सीरीज और फिल्मों की अनाउंसमेंट की, जिसमें द ग्रेट इंडियन कपिल शो का पांचवा सीजन भी शामिल था। इस पर सुनील ग्रोवर ने कहा- 'मुझे लगता है कि इसी वजह से अरिजीत सिंह ने रिटायरमेंट ले लिया। ये सुनने के बाद।' इवेंट में कपिल शर्मा ने कनाडा के कैफे में हुई

फायरिंग पर भी बात की, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। उन्होंने कहा, 'आज कल मेरे पीछे एक-दो मुल्कों के गैंगस्टर पीछे लगे हुए हैं'। हालांकि बाद में उन्होंने तुरंत टीम से कहा कि उनका ये बयान काट दिया जाए। इसके कुछ देर बाद ही उन्हें एहसास हो गया कि इवेंट लाइव है। इन गानों का कॉपीराइट PPL इंडिया के पास है। बिना इजाजत इन गानों का इस्तेमाल कमर्शियल तौर पर करना कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है।

कनाडा फायरिंग पर भी दी प्रतिक्रिया

इवेंट के दौरान कपिल शर्मा ने कनाडा के एक कैफे में हुई फायरिंग की घटना पर भी टिप्पणी की, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। उन्होंने कहा, "आजकल मेरे पीछे एक-दो देशों के गैंगस्टर लगे हुए हैं।" हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी टीम से यह बयान हटाने को कहा, लेकिन तब तक उन्हें एहसास हो गया कि कार्यक्रम लाइव प्रसारित हो रहा है। इन गानों का इस्तेमाल सिर्फ लाइसेंस होल्डर ही कर सकते हैं।

इस दौरान कपिल ने बताया है कि अब से सुनील ग्रोवर शो में खुद गाने गाएंगे। कपिल ने कहा कि अरिजीत के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद उन्होंने मौका देखकर सुनील ग्रोवर को बतौर सिंगर लॉन्च किया है। आगे उन्होंने कहा- 'म्यूजिक राइट्स का पंगा बहुत था। किसी का गाना यूज कर लो लाखों का बिल आ जाता था। अब हम अपना ही बनाएंगे। हमारा जहां दिल करेगा हम गाएंगे।'

क्या है कपिल शर्मा की म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी

PPL द्वारा 12 दिसंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में कपिल शर्मा के शो के खिलाफ कमर्शियल याचिका दायर की गई थी। कि कपिल के शो के तीसरे सीजन में जून से सितंबर के बीच 3 लाइसेंसी गानों का इस्तेमाल बिना इजाजत किया गया।

महिला सफाई कर्मचारी की ईमानदारी से रजनीकांत खुश

घर बुलाकर सोने की चेन पहनाकर किया सम्मानित, तस्वीरें वायरल

मुंबई, एजेंसी

सुपरस्टार रजनीकांत अपनी दरियादिली और सादगी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक महिला सफाई कर्मचारी को सम्मानित करते नजर आ रहे हैं। दरअसल, पद्मा नाम की यह महिला कर्मचारी चेन्नई के टी नगर इलाके में काम करती हैं। ड्यूटी के दौरान उन्हें एक लावारिस पाउच मिला, जिसमें 45 सॉवरेन (करीब 360 ग्राम) सोने के आभूषण थे। इन गहनों को अपने पास रखने के बजाय पद्मा ने तुरंत अपने सीनियर्स को इसकी जानकारी दी और पाउच को पुलिस स्टेशन में जमा करा दिया। इसके बाद पुलिस ने जांच कर गहनों को उनके असली मालिक तक पहुंचा दिया। जब यह बात रजनीकांत तक

पहुंची तो उन्होंने पद्मा को अपने चेन्नई स्थित घर पर आमंत्रित किया और उन्हें सोने की चेन पहनाकर सम्मानित किया। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और लोग रजनीकांत की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब रजनीकांत ने किसी की तारीफ करते हुए उन्हें सम्मानित किया हो। इससे पहले साल 2022 में उन्हें फिल्म कांतारा इतनी पसंद आई कि उन्होंने एक्टर ऋषभ शेट्टी को घर बुलाकर कर सोने की चेन भेंट की थी। इतना ही नहीं, रजनीकांत अपने एक जबरा फैन रजनी शेखर को भी खास तोहफा दे चुके हैं। मदुरै निवासी रजनी शेखर जरूरतमंद लोगों को मात्र 5 रुपए में परोटा डिश खिलाते हैं। उनकी इस सेवा भावना से प्रभावित होकर रजनीकांत ने उन्हें भी सोने की चेन गिफ्ट की थी। रजनीकांत के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म जेलर 2 में नजर आएंगे। इसमें विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती और शाहरुख खान भी कैमियो करेंगे। फिल्म का नेल्सन डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके अलावा वह Thalaivar 173 में भी नजर आएंगे।

घर में घुसकर गोली मारी, चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

त्रिपोली, एजेंसी

लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लीबियाई न्यूज चैनल फवासेल के मुताबिक जिंटान शहर में उनके घर पर चार हमलावरों ने हमला किया और उन्हें मार डाला। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी के वकील खालिद अल-जैदी और राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी मौत की जानकारी दी। हालांकि शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई। सैफ अल-इस्लाम की मौत को लेकर उनकी बहन ने अलग ही दावा

किया है। BBC ने लीबियाई टीवी के हवाले से बताया कि सैफ अल-इस्लाम की मौत लीबिया-अल्जीरिया सीमा के पास हुई। सैफ अल-इस्लाम की उम्र 53 साल थी। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को कभी अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जाता था। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी (बाएं) ने 2021 के राष्ट्रपति चुनावों में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था।

क्रांति के दौरान उनके पिता मारे गए और सैफ अल-इस्लाम भागने की कोशिश में पकड़े गए। नवंबर 2011 में उन्हें जिंटान शहर के मिलिशिया ने गिरफ्तार कर लिया। 2015 में लीबियन कोर्ट ने उन्हें मौत की सजा सुनाई (उन्हें कोर्ट में पेश किए बिना)।

सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी (बाएं) ने 2021 के राष्ट्रपति चुनावों में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था।

सैफ अल-इस्लाम को 2015 में मौत की सजा सुनाई गई

2011 में अरब स्प्रिंग (तानाशाही के खिलाफ विरोध प्रदर्शन) के दौरान लीबिया में विद्रोह हुआ, जो गद्दाफी शासन के खिलाफ था। सैफ अल-इस्लाम ने अपने पिता का साथ दिया और विद्रोहियों को कुचलने की कोशिश की। वे टीवी पर आए और लोगों को चेतावनी दी कि विरोध करने वालों को सजा मिलेगी। सैफ अल-इस्लाम विद्रोहियों को 'चूहे' कहकर बुलाते थे और कहते थे कि सरकार आखिरी गोली तक लड़ेगी। उन्होंने कहा था, हम लीबिया में लड़ेंगे, यहीं मरेंगे।

आंकड़ा : एक दिन में 7 लाख करोड़ रुपए बढ़े, भारत के टॉप-40 अमीरों से ज्यादा वेल्थ

मस्क $850 बिलियन संपत्ति वाले दुनिया के पहले इंसान बने

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर शख्स इलॉन मस्क की कुल संपत्ति 850 बिलियन डॉलर (करीब 77 लाख करोड़ रुपए) का आंकड़ा पार कर गई है। एक दिन में उनकी नेटवर्थ में 84 बिलियन डॉलर (7 लाख करोड़ रुपए) का इजाफा हुआ है। फोर्ब्स के मुताबिक मस्क अब इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। मस्क की संपत्ति में यह बढ़ोतरी उनकी रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप xAI के मर्जर की वजह से हुई है। सिर्फ 4 महीने में मस्क की नेटवर्थ 70% बढ़ गई है। अक्टूबर 2025 में यह 500 बिलियन डॉलर पर पहुंची थी। अब उनकी नेटवर्थ पाकिस्तान, श्रीलंका,

मस्क की संपत्ति में यह बढ़ोतरी उनकी कंपनी स्पेसएक्स और xAI के मर्जर की वजह से हुई है।

बांग्लादेश और नेपाल की GDP से ज्यादा है। ये भारत के टॉप 40 सबसे अमीरों की कुल वेल्थ से भी ज्यादा है। मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स ने उनकी एआई कंपनी xAI को खरीद लिया है। पहले ये दोनों अलग-अलग थीं। अब ये एक ही बड़ी कंपनी बन गई हैं, जिसकी कुल कीमत $1.25 ट्रिलियन (करीब 104 लाख करोड़ रुपए) आंकी गई है। इस विलय से मस्क की वैल्यू $84 बिलियन बढ़ गई। मर्जर से पहले मस्क के पास स्पेसएक्स की 42% हिस्सेदारी थी, जिसकी वैल्यू $336 बिलियन थी। वहीं xAI में उनकी 49% हिस्सेदारी की कीमत $122 बिलियन थी। मर्जर के बाद बनी नई कंपनी में मस्क की हिस्सेदारी अब 43% हो गई है, जिसकी अकेले की वैल्यू $542 बिलियन है।

मस्क ने 4 महीने में 4 बड़े रिकॉर्ड बनाए

- **अक्टूबर 2025:** वे दुनिया के पहले $500 बिलियन वाले इंसान बने। यह तब हुआ जब उन्होंने टेस्ला पर फोकस करने के लिए ट्रंप के सरकारी विभाग (DOGE) को छोड़ा।
- **15 दिसंबर:** स्पेसएक्स की वैल्यूएशन बढ़ने से वे $600 बिलियन के पार पहुंचे।
- **19 दिसंबर:** कोर्ट से टेस्ला स्टॉक ऑप्शंस बहाल होने के बाद वे $700 बिलियन क्लब के इकलौते सदस्य बने।
- **जनवरी 2026:** स्पेसएक्स और xAI के मर्जर से कुल संपत्ति 850 बिलियन डॉलर पहुंच गई।

दुनिया के बाकी अमीरों से आगे निकले मस्क

मस्क और दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति के बीच का फासला तीन गुण से ज्यादा बढ़ा है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज $281 बिलियन की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

सेंसेक्स में 200 अंक की तेजी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 4 फरवरी को बढ़त है। सेंसेक्स करीब 200 अंक की तेजी के साथ 83,900 के लेवल पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में करीब 100 अंक की बढ़त है, ये 25,800 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। ऑटो, एनर्जी और FMCG शेयर्स में आज बढ़त है। वहीं IT और बैंकिंग शेयर्स में गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में बढ़त है। निफ्टी 50 शेयरों में से 42 शेयरों चढ़कर कारोबार कर रहे हैं। वहीं कल सेंसेक्स में 2500 अंकों की तेजी रही। निफ्टी भी 639 अंक चढ़कर बंद हुआ। ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकर 18% कर दिया है, जिस वजह से बाजार चढ़ा। सेंसेक्स में 2073 अंक (2.54%) बढ़कर 83,739 पर बंद हुआ। निफ्टी में 639 अंक (2.55%) की तेजी रही, ये 25,728 पर बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 4.79% चढ़कर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 शेयरों में से 46 शेयरों चढ़कर बंद हुए।

सोना ₹1.58 लाख पर पहुंचा, दो दिन में ₹9,412 महंगा

चांदी ₹9,573 बढ़कर ₹2.74 लाख/किलो, 2 दिन में दाम में ₹14,038 का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, आज सर्राफा बाजार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 6,629 रुपए बढ़कर 1,58,158 रुपए हो गया है। इससे पहले ये 1,51,529 रुपए पर था। सोना दो दिन में 9412 रुपए महंगा हुआ है। चांदी की कीमत आज 9,573 रुपए बढ़कर 2,73,538 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,63,965 रुपए थी। दो दिन में ये 14,038 रुपए बढ़ चुकी है। वहीं सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का हाई बनाया था। सोने-चांदी के दाम में लगातार दो दिन से बढ़त है। हालांकि इससे पहले 30 जनवरी,1 और 2 फरवरी को इनकी कीमत

में गिरावट देखने को मिली थी। ये गिरावट मुनाफा वसूली के कारण आई थी। अब लोग वापस सोने-चांदी में खरीदारी कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार बीते दो दिनों से पहले पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी, जिसमें सोना करीब 15% तक नीचे आ गया था। लेकिन अब जैसे ही कीमतें स्थिर हुईं, निवेशक अब कम दामों पर खरीदारी कर रहे हैं।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

अनुदेशक शिक्षकों को मिलेगा ₹17 हजार मानदेय

सुप्रीम कोर्ट का फैसला- नौकरी भी नहीं जाएगी, राज्य सरकार की अपील खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के अनुदेशक शिक्षकों को 17000 हजार रुपए मानदेय का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की वह अपील खारिज कर दी है, जिसमें यूपी सरकार अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के खिलाफ थी। साथ ही यह आदेश दिया है कि अनुदेशकों की नौकरी खत्म न की जाए। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने साफ कहा है कि संविदा की निर्धारित अवधि खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नौकरी खत्म नहीं होती। 10 साल से लगातार काम करने की वजह से यह पद ऑटोमैटिक तरीके से सृजित है। अनुदेशकों को 17 हजार रुपए मानदेय 2017 से लागू किया जाए। दरअसल, अनुदेशक 2013 से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इनकी याचिका पर हाईकोर्ट ने मानदेय बढ़ाने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

2017 से लागू होगा बढ़ा हुआ मानदेय : सलाहकार

अनुदेशकों के विधिक सलाहकार बृजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा है कि यह अनुदेशकों की बड़ी जीत है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से अनुदेशकों के साथ न्याय हुआ है। उन्हें 2017 से बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। बृजेश इस पूरे मामले में अनुदेशकों को विधिक सलाह देते हैं। वह मूलरूप से अमेठी के रहने वाले हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने माना अनुचित श्रम व्यवहार है

कोर्ट ने 2013 में तय किए गए 7,000 प्रतिमाह मानदेय को लेकर भी राज्य सरकार पर सख्त टिप्पणी की। डबल बेंच ने कहा कि इतने लंबे समय तक बिना किसी संशोधन के मानदेय तय रखना "अनुचित श्रम व्यवहार" की श्रेणी में आता है। अंशकालिक शिक्षक लगातार सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में उन्हें सम्मानजनक पारिश्रमिक से वंचित नहीं किया जा सकता। अंशकालिक शिक्षक वर्ष 2013 में निर्धारित मानदेय के पुनरीक्षण के पूर्ण अधिकार के पात्र हैं। कोर्ट ने कहा कि मानदेय का पुनरीक्षण नियत अवधि पर किया जाना चाहिए।

6 महीने में बकाया चुकाने का आदेश

डबल बेंच ने आदेश दिया कि संशोधित मानदेय का भुगतान 1 अप्रैल 2026 से शुरू किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि अंशकालिक शिक्षकों का पूरा बकाया आज यानी 4 फरवरी 2026 से छह महीने की अवधि के भीतर अनिवार्य रूप से भुगतान किया जाए। यूपी के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अनुदेशकों का मानदेय वर्ष 2017 में 8,470 रुपए से बढ़ाकर 17,000 रुपए किया गया था। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इस निर्णय को लागू नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने कहा- संविदा की निर्धारित अवधि खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नियुक्ति खत्म नहीं होगी। यह पोस्ट कांट्रैक्चुअल भी नहीं माना जा सकता क्योंकि इनके कांट्रैक्ट में यह साफ तौर पर मेंशन है कि वे अपने स्पेयर टाइम में दूसरी नौकरी या काम नहीं कर सकते। ऐसे में यह स्पष्ट है कि ये इंट्रक्टर टीचर 10 साल से लगातार काम कर रहे हैं और परमानेंट टीचर के रूप में डीम्ड तौर पर एम्लायड हैं। इतना समय बीतने और उनके लगातार काम करने की वजह से यह पद ऑटोमेटिकली सृजित हो गया है। 17 हजार रुपए से कम मानदेय संविधान के आर्टिकल-23 के विपरीत है।

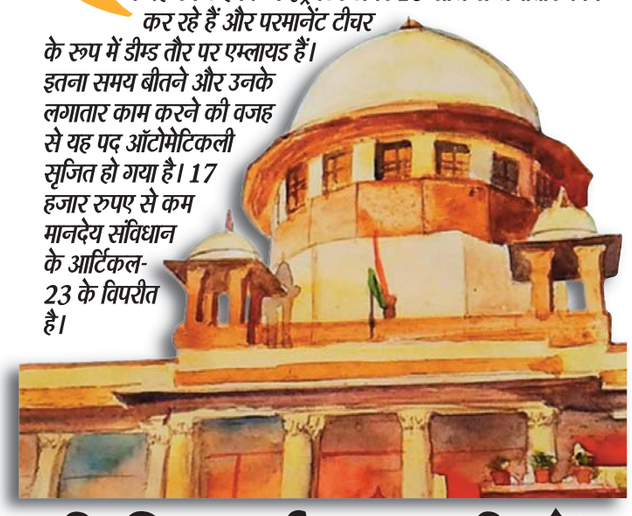

'सालों से पति पैसे मांग रहा, सारा गोल्ड रख लिया'

लखनऊ में मुनव्वर राणा के घरवालों ने कहा- सुलह की उम्मीद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राणा की बेटी हिबा राणा ने शादी के 13 साल बाद पति और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि पति और ससुर दहेज में 20 लाख रुपए और फ्लैट मांग रहे थे। इसको लेकर उनका उत्पीड़न और मारपीट करते थे। पति ने सारा सोना और अन्य सामान रख लिया। बेटे और बेटी को कमरे में बंद कर लिया। उन्हें 3 तलाक देकर घर से निकाल दिया। इस घटना के बाद तमसा रिपोर्टर ने हिबा, उनके भाई और बहनों से बातचीत की। हिबा राणा मुनव्वर राणा की सबसे छोटी बेटी हैं। हिबा राणा ने बताया- उनके पति मोहम्मद साकिब बीते कई सालों से मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। शादी के बाद से ही पति लगातार मारपीट, फिजिकल एब्यूज और अपमानजनक व्यवहार करते थे। बार-बार पैसों की मांग करते थे। दहेज को लेकर दबाव बनाते थे। जब मैंने इसका विरोध

किया, तो मुझे और प्रताड़ित किया गया। मारपीट की गई और उल्टी-सीधी बातें कही गईं। हिबा राणा ने बताया- उत्पीड़न बढ़ने के बाद करीब एक साल पहले मैंने ससुराल छोड़ दिया। मायके में आकर रहने लगी। परिवार के स्तर पर सुलह की कोशिशें चलती रहीं। मैंने अपने परिवार के लोगों से बातचीत की। उन्होंने मुझे समझाया। हिबा राणा ने बताया- मेरी शादी को 13 साल हो चुके हैं। 12 साल का बेटा फवाज और 6 साल की बेटी हय्याम है। एक साल से बच्चे कभी पिता के पास रहते हैं, तो कभी मेरे पास। 9 अप्रैल 2025 को पति ने मारपीट की। दोनों बच्चों को कमरे में बंद कर दिया।

फास्ट न्यूज

वकील का अपहरण, पीट-पीटकर अधमरा किया

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर इलाके में रविवार रात कार सवार दबंगों ने एक वकील का अपहरण कर बेरहमी से पिटाई की। पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद मरा समझकर रेलवे ट्रैक के किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण और लूट की धाराओं में पांच आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। कृष्णानगर के विजय नगर निवासी दुर्गेश प्रजापति पेशे से वकील हैं।

दुकान के बाहर बैठे युवक पर जानलेवा हमला

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के नौबस्ता कला में दुकान के बाहर बैठे एक युवक पर 4 अज्ञात बदमाशों ने पीछे से हमला कर दिया। बदमाशों ने डंडों और ईंट से युवक को बेरहमी से पीटा। उसकी सोने की चेन और 10 हजार रुपए नकद लूटकर फरार हो गए। पीड़ित अमन वर्मा पुत्र सत्यप्रकाश वर्मा ने बताया कि 29 जनवरी को करीब 2:30 बजे वह अपनी दुकान विनायक इंटर प्राइजेज के बाहर बैठे थे। अचानक 4 युवक पीछे से आए और उन पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान बदमाशों ने सिर और हाथ पर वार किए। उन्हें गंभीर चोटें आईं और सिर से काफी खून बहने लगा। पीड़ित ने बताया कि उसने किसी तरह हिम्मत जुटाकर आरोपियों का करीब 10 सेकेंड का वीडियो भी बना लिया, जिसे पुलिस को सौंपा गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और घायल युवक को इलाज के लिए भेजा गया।

करोड़ों के सोना-चोरी कांड के आरोपी को जमानत

वाराणसी। वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र के कर्ण-घंटा इलाके में बंद दुकान से करोड़ों रुपए का सोना चोरी करने वाले बदमाशों में शामिल सरगना को कोर्ट से जमानत मिल गई। न्यायाधीश संजीव शुक्ला की अदालत ने मामले के आरोपी शुभम विश्वकर्मा की जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए उसे रिहा करने का आदेश दिया। पिछले दिनों डीसीपी क्राइम ने इसका खुलासा किया था, जिसमें मुख्य सरगना आभूषण कारोबारी के मकान का केयर टेकर निकला।

कॉलेज में देर से आने पर छात्रों की पिटाई

कानपुर में छात्रों का हाथ फटा, छात्राएं बेहोश हुईं, 6 टीचर को पुलिस पकड़ ले गई

- कॉलेज में हुई घटना के विरोध में बड़ी संख्या में छात्रों ने विरोध-प्रदर्शन किया।
- हंगामा होता देखकर पुलिस अफसर पहुंचे, उन्होंने छात्रों को समझाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में कॉलेज देर से पहुंचने पर छात्रों को टीचर ने पीट दिया। पिटाई से छात्रों को चोट आई। उसके हाथ से खून निकलता देख साथी छात्र भड़क गए। उन्हों ने हंगाम कर दिया। कॉलेज का गेट बंद कर नारेबाजी शुरू कर दी। घायल छात्रों को कॉलेज के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर कई थानों का पुलिस फोर्स पहुंच गया छात्रों की पिटाई और उसके बाद हुए हंगामा का मामला महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज का है। मंधना में जीटी रोड स्थित इस कॉलेज में बुधवार की सुबह देरी से पहुंचने को लेकर खूब बवाल हुआ।

छात्रों का हंगामा बढ़ता देख कॉलेज प्रशासन ने जांच कमेटी बनाकर दो आरोपी टीचर को सस्पेंड कर दिया गया है। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पीएसपी भी बुला ली गई है। आरोप है कि देर से पहुंचने वाले छात्रों को कॉलेज में टीचर ने पीटा। छात्रों ने सफाई दी कि उन्होंने कोहरा की वजह कर देर होना बताया, फिर भी टीचर नहीं माने और पिटाई की। छात्रों ने इसका विरोध किया तो डंटों और बेल्ट से भी पीट दिया। पिटाई से छात्र अभिषेक, चित्रांश, कृष्णा, अग्रिम द्विवेदी, अक्षांश, अस्मित सोनकर के अलावा छात्राएं मुस्कान, अंजली, अंशिका, अनन्या भी घायल हो गईं। डंडे की पिटाई से मुस्कान का हाथ फट गया। हाथ में गंभीर चोट लगने पर इन चारों छात्राओं को कॉलेज के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्रों का हंगामा बढ़ते देख पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस के पहुंचने पर छात्रों ने बताया कि देर से पहुंचने पर उन्हें गेट पर रोका गया और फिर पीटा गया।

कॉलेज का गेट बंदकर बाहर रोका, क्लास से निकल कर छात्रों ने हंगामा किया

देरी से पहुंचे छात्रों की पिटाई के बाद शिक्षकों ने दूसरे गेट को बंद कर दिया। इससे जो छात्र और बाद में आए वह बाहर ही रुक गए। उन्होंने एंट्री देने के लिए कहा तो मना कर दिया गया। इससे वहां टीचर और छात्रों के बीच बहस हो गई। आरोप है कि गुस्साए कुछ टीचर अंदर से डंडा लेकर पहुंचे और गेट पर खड़े छात्रों को पीटने लगे। इसकी जानकारी कॉलेज के अंदर क्लास में मौजूद दूसरे छात्रों तक पहुंची तो वह भड़क गए। क्लास से बाहर आकर नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते विरोध और हंगामा बढ़ने लगा।

> 66 हंगामा करने वाले छात्रों का कहना है कि बुधवार की सुबह शहर में घना कोहरा था। सड़क पर कुछ भी साफ नहीं दिख रहा था। वह अपने-अपने संसाधन से कॉलेज पहुंचे। कॉलेज पहुंचने का समय सुबह 9 बजे निर्धारित है। कुछ छात्र कोहरे की वजह कर देर से पहुंचे।

काशी में सुपारी किलर बनारसी यादव एनकाउंटर में ढेर

रियल एस्टेट कारोबारी की शूटरों से हत्या करवाई थी, हुलिया बदलने में माहिर था

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सुपारी लेकर रियल एस्टेट कारोबारी की शूटरों से हत्या करवाने वाला बनारसी यादव एनकाउंटर में मारा गया। मंगलवार देर रात इनपुट के आधार पर STF ने उसकी घेराबंदी की। इंस्पेक्टर ने उसे सरेंडर करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने फायरिंग कर दी। बदमाश की गोली से दो सिपाही बाल-बाल बचे। इसके बाद एसटीएफ ने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग करते हुए पुलिसवाले उसकी ओर बढ़े। बनारसी और जवानों के बीच आमने-सामने 5 राउंड फायरिंग हुई। दो गोलियां बनारसी को लगीं। वह गिर पड़ा। घायलावस्था में उसे अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने बनारसी को मृत घोषित कर दिया। बनारसी के पास से दो पिस्टल और कारतूस मिले हैं। एनकाउंटर चौबेपुर रोड

- अस्पताल में चिकित्सकों ने बनारसी यादव को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पर हुआ। बनारसी गाजीपुर के करंडा का रहने वाला था। उस पर 10 हत्याओं समेत 21 मुकदमे वाराणसी, गाजीपुर सहित कई जिलों में दर्ज थे। पांच महीने पहले गाजीपुर के ही रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर योगेंद्र ने 50 करोड़ की जमीन के लिए कोलोनाइजर महेंद्र गौतम की हत्या करवाई थी। उसने बनारसी यादव को 5 लाख की सुपारी दी थी। इसके बाद उसने फौजी अरविंद यादव और विशाल समेत 3 बदमाशों को हायर किया। 21 अगस्त 2025 को बदमाशों ने ऑफिस जा रहे कोलोनाइजर को दिनदहाड़े गोली मार दी थी। कोलोनाइजर की हत्या के मामले में पुलिस ने बनारसी पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। बनारसी यादव पूर्वांचल के बड़े और शातिर शूटरों में गिना जाता था। सुपारी लेकर हत्याएं करने वाले बनारसी को पुलिस नाम से तो जानती थी, लेकिन उसका चेहरा और तस्वीर किसी के पास नहीं थी। यही वजह रही कि कई घटनाओं को अंजाम देने के बाद भी बनारसी पुलिस की पकड़ से दूर रहा। बनारसी यादव कभी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था और न ही एक जगह टिककर रहता था। वह हुलिया बदलने में भी माहिर था।

शराब की दुकानों पर 100 महिलाओं का अटैक

ललितपुर। ललितपुर में छेड़खानी से परेशान 100 से ज्यादा महिलाओं ने शराब की दो दुकानों में जमकर तोड़फोड़ की। महिलाओं ने पहले रोड जाम कर प्रदर्शन किया। फिर ताला तोड़कर दुकानों के अंदर घुसीं और जमकर तोड़फोड़ की। लाखों की शराब सड़क पर फेंक दी। इसके बाद महिलाएं 2 गुट में बंट गईं। एक गुट शराब की पेटियां को रोड़ पर फेंकता। जबकि दूसरा गुट बोतलों को लाठी मारकर फोड़ता। रोड़ पर पानी की तरह शराब बहने लगी। करीब एक घंटे तक बवाल चलता रहा। सूचना मिलते ही कुछ पुलिसकर्मी वहां पहुंचे, लेकिन महिलाओं को रोकने की हिम्मत नहीं जुटा सके। हंगामे के दौरान सड़क पर जाम लग गया। जब महिलाओं ने शराब की दोनों दुकान खाली कर दीं, तब वापस अपने गांव लौट गईं। इस दौरान करीब एक घंटे तक 2 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। 5 थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक हालात सामान्य हो चुके थे। सड़क पर फैली शराब की बोतलों को हटवाकर जाम खुलवाया गया। मामला मंगलवार दोपहर का महरौनी-ललितपुर रोड के गांव खितवांस का है।

बीकॉम स्टूडेंट से मारपीट करने वाले 7 आरोपी अरेस्ट

फायरिंग करने वाला घर से भागा, गिरफ्तार आरोपियों में बीएससी छात्र भी शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। काकादेव थानाक्षेत्र के पांडु नगर में बीच बाजार बीकॉम स्टूडेंट के साथ मारपीट करने वाले बीएससी छात्र समेत 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फायरिंग करने वाला युवक अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। युवक की तलाश में दो टीमें लगी हुई है। मंगलवार को दो वीडियो वायरल हुए, जिसमें 39 सेकेंड के वीडियो में आधा दर्जन से अधिक युवकों ने बीकॉम स्टूडेंट को एक के बाद एक 22 थप्पड़-घूसें जड़े थे। वहीं 8 मिनट 29 सेकेंड के सीसीटीवी फुटेज में फायरिंग करते हुए एक युवक कैद हुआ था। गीता नगर निवासी बीकॉम छात्र अमन सोनकर ने बताया कि सोमवार रात करीब 8 बजे वह अपने दोस्तों के साथ पांडु नगर स्थित मानस मंच पार्क के पास चाय पीने के लिए गया था। तभी पार्क के पास ही स्थित गली में कुछ युवक शराब पी रहे थे। आरोप है कि नशे में धुत युवकों ने

उनके साथ गाली-गलौज की, विरोध करने पर तमंचे से हवाई फायरिंग करते हुए दौड़ा लिया था। अमन ने बताया था कि जान बचाकर वह किसी पांडु नगर स्थित सिल्वर स्पून रेस्टोरेंट के पास पहुंचे ही थे, तभी पीछे से आए दबंगों ने उन्हें घेर लिया और उनकी जमकर पिटाई की थी। शोरगुल सुनकर रेस्टोरेंट कर्मचारी बाहर आए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले थे इलाकाई लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। वीडियो वायरल होने के बाद काकादेव थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

यात्रा : न कोई बॉडीगार्ड, न काफिला... हवाई चप्पल में गलियों में घूमे

मथुरा में ई-रिक्शा से घूमे सीएम नीतीश कुमार के बेटे

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार मथुरा और वृंदावन की यात्रा पर हैं। मंगलवार को वे अपने परिवार के साथ वृंदावन में ई-रिक्शा से घूमे। गलियों में पैदल टहले। सबसे पहले निशांत कुमार ई-रिक्शा से यमुना घाट पर गए। उन्होंने हाथ जोड़कर मां यमुना को प्रणाम किया। इसके बाद बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उनकी सादगी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। निशांत कुमार के साथ 4-5 लोग थे। उन्होंने ई-रिक्शा में प्रति सवारी मात्र 10 रुपए किराया देकर सफर किया। उनके साथ न तो कोई बॉडीगार्ड था और न ही किसी तरह का वीआईपी प्रोटोकॉल

देखने को मिला। निशांत कुमार कि यात्रा पूरी तरह से निजी और आध्यात्मिक थी। कुर्ता-पैजामा और हवाई चप्पल पहने निशांत कुमार 'राधे-राधे' जपते हुए वृंदावन की गलियों में घूमते नजर आए। निशांत कुमार ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा, रांची से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और वे पेशे से इंजीनियर हैं।

होली बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में एंट्री कर सकते हैं। अंदरखाने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में इसकी तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, मार्च में जेडीयू के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है।

इस्कॉन मंदिर गए, बांके बिहार के दर्शन किए

निशांत कुमार बुधवार दोपहर अपने रिश्तेदारों के साथ वृंदावन की गलियों में घूमते नजर आए। उन्होंने वृंदावन प्रवास के दौरान इस्कॉन मंदिर, बांके बिहारी मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। निशांत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। उनकी मां मंजू सिन्हा एक समय स्कूल शिक्षिका थीं, जिनका निधन साल 2007 में हो गया था। निशांत कुमार की प्रारंभिक शिक्षा पटना के सेंट कैरेंस स्कूल से हुई।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईसी बंगाल को ...

इस वजह से असली मतदाता को बाहर नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले ममता ने मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले SIR क्यों किया जा रहा है? चार राज्य बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव होने हैं। SIR तीन राज्यों में हो रहा है, लेकिन भाजपा-शासित असम में नहीं। क्योंकि वह 'डबल इंजन' राज्य है। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों पर कहा कि ये लोग (BJP) घुसपैठियों की बात करते हैं लेकिन ये तो आपकी जिम्मेदारी है। बॉर्डर की रखवाली केंद्र की जिम्मेदारी है। ऐसे में घुसपैठ के लिए वही जिम्मेदार है।

Fd¶FF AFUFF IZY dFE EIY FbVF FFFFFF FFF FFFc WXFe

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओटीएस-2026 योजना को अधिक व्यावहारिक और लाभकारी स्वरूप दिया जाए। एकमुश्त भुगतान करने वाले आवेदियों को देयों पर उपयुक्त छूट दी जाए। साथ ही, किस्तों में भुगतान की सुविधा हो। उन्होंने कहा कि योजना के प्रावधानों को अंतिम रूप देते समय यह ध्यान रहे कि योजना के मूल में आम आदमी को राहत देने का ही भाव निहित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विभाग द्वारा प्रत्येक आवेदन का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई योजना लागू होने से हजारों आवेदियों को राहत मिलेगी और विभाग को राजस्व भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार की विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे अवगत हो सकें। उन्होंने कहा, 'एकमुश्त समाधान योजना' के बारे में आम जनता के बीच सक्रिय रूप से जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि सभी पात्र लोग इसका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि योजना की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-अनुकूल होनी चाहिए।

युमनाम खेमचंद ...

4 फरवरी को NDA के घटक दलों के विधायकों की बैठक में सीएम और डिप्टी सीएम के नामों पर मुहर लगी। खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राज्य के गृह मंत्री के लिए कोंथौजम गोविंदास सिंह का नाम चर्चा में है। युमनाम खेमचंद सिंग्जामेई क्षेत्र (इंफाल वेस्ट) से भाजपा विधायक हैं। 2017-2022 तक मणिपुर विधानसभा स्पीकर रहे। 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की दूसरी सरकार में मंत्री रहे। वे मैतेई समुदाय से आते हैं, जो मणिपुर के घाटी क्षेत्र में बहुसंख्यक हैं। बीरेन सिंह के साथ नजदीकी भी हैं। हाल के महीनों में वे शांति प्रयासों में सक्रिय रहे हैं। मई 2023 हिंसा के बाद दिसंबर 2025 में कुकी बहुल इलाकों और रिलीफ कैंप का दौरा करने वाले वे पहले मैतेई नेता हैं। बीरेन सिंह की तुलना में मध्यमार्गी माने जाते हैं। यही बात इन्हें कट्टर मैतेई लाइन से अलग करती है।

फडणवीस विलय...

इसके बाद ही शरद पवार और उनकी पार्टी के नेताओं ने दावा किया था कि विलय के लिए 12 फरवरी की तारीख तय की थी। NCP यूथ कांग्रेस दिवंगत डिप्टी सीएम और पार्टी प्रमुख अजित पवार के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक 'कलश यात्रा' निकाल रही है। यह यात्रा 4 से 7 फरवरी के बीच देश के चारों कोनों को कवर करेगी। यह यात्रा 14 राज्यों से होकर गुजरेगी। बैठक के एजेंडे के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के अनुसार बैठक में NCP के दोनों गुटों का संभावित विलय और आगामी जिला परिषद चुनाव पर बातचीत हुई।

लोकसभा में पीएम...

इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं। वहीं, लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर लिखी किताबें और नोट्स दिखाए। उन्होंने कहा इन किताबों में गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार की मक्कारी, गद्दारी, भ्रष्टाचार और अय्याशी का जिक्र है। निशिकांत की कोट की गई किताबों में एडविना एंड नेहरू, रेमिनिसेंस ऑफ द नेहरू एज, द रेड साड़ी, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर समेत दूसरी किताबें और नोट्स दिखाए। आज फिर चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उड़ाए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के आरोपों पर जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि अमेरिका ट्रेड डील में किसानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लिखित में कहा जा चुका है। तब भी आप बार बार किसानों के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं। लोकसभा से निलंबित विपक्ष के 8 सांसदों ने पोस्टर लेकर विरोध जताया। पोस्टर पर लिखा- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड (प्रधानमंत्री ने समझौता किया)। पोस्टर पर पूर्व आर्मी चीफ नरवणे, पीएम नरेंद्र मोदी और जेफ्री एपस्टीन की तस्वीर थी। इन सांसदों को चेयर की तरफ पेपर उछालने की शिकायत पर पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किया गया है। आज सुबह लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर विपक्ष ने हंगामा किया।

3 बहनें 9वीं ...

इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है। इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला। पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है- "मम्मी-पापा सॉरी गेम नहीं छोड़ पा रही हूं। अब आपको एहसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे।

पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री और पत्नी पर एफआईआर

पीड़िता बोली-प्रॉपर्टी पर करना चाहते है कब्जा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा विजय नगर सोसाइटी में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री नितिन गुप्ता और उनकी पत्नी रिंकी गुप्ता समेत 8-10 लोगों पर मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं रिंकी गुप्ता की ओर से भी दो लोगों के खिलाफ अलग FIR दर्ज की गई है। पीड़िता के कहा-सोसाइटी में अवैध गतिविधियों का विरोध किया था। जिस पर आरोपी पक्ष भड़क गया, और मारपीट करने लगा। पीड़िता शशी गुप्ता ने बताया- जब उसने सोसाइटी में हो रहे अवैध कार्यों का विरोध किया तो आरोपी पक्ष भड़क गया। स्थिति बिगड़ने पर पीड़िता ने 112 नंबर पर पुलिस को कॉल किया, जिससे आरोपी और उग्र हो गए। आरोप है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले महिला के साथ जमकर मारपीट, गाली-गलौज और अभद्रता की गई। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि आरोपियों ने उसके सीने और शरीर पर

लात-घूंसे मारे, बाल पकड़कर घसीटा और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने फर्जी सिक्योरिटी गार्ड बनाकर असामाजिक तत्वों को सोसाइटी में रखा हुआ है। मैं अकेले रहती हूं, वे मेरी प्रॉपर्टी को अवैध कब्जा जताना चाहता है। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं दूसरी ओर, नितिन गुप्ता की पत्नी रिंकी गुप्ता की शिकायत पर भी थाना हरीपर्वत पुलिस ने शशि गुप्ता और विवेक गुप्ता के खिलाफ अलग मुकदमा दर्ज किया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676